भारत सरकार
विदेश मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या - 4687
दिनांक 28.03.2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

रूस में हिरासत में लिए गए भारतीय नागरिकों की रिहाई और सुरक्षा

4687. **श्री हैबी ईडनः**

क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार के पास रूसी सेना द्वारा हिरासत में लिए गए भारतीय नागरिकों की कुल संख्या के आंकड़े हैं और यदि हां, तो उनकी पहचान की तारीख सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या सरकार के पास उन भारतीय नागरिकों के भारत प्रत्यावर्तन की तारीखों के संबंध में आंकड़े हैं जिन्हें अब तक रिहा किया जा चुका है, और यदि हां, तो उनकी वापसी के लिए की गई विशिष्ट व्यवस्थाओं, यदि कोई हों, सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या रूसी सेना द्वारा हिरासत में रखे गए भारतीय नागरिकों की रिहाई के लिए कोई आवेदन अभी भी लंबित है, और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या यह सच है कि लगभग सोलह भारतीय नागरिक अभी भी रूसी सेना की हिरासत में हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ङ) क्या सरकार ने शेष भारतीय नागरिकों की रिहाई के लिए संभावित तारीख के संबंध में रूसी प्राधिकारियों के साथ कोई समय-सीमा अथवा प्रतिबद्धता तय की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
विदेश राज्य मंत्री
(**श्री कीर्तवर्धन सिंह**)

(क) से (ङ) उपलब्ध जानकारी के अनुसार, रूसी सशस्त्र बलों में 127 भारतीय नागरिक थे, जिनमें से 97 व्यक्तियों की सेवाओं को भारत और रूस सरकार के बीच इस मामले के संबंध में उच्चतम स्तरों पर हुई निरंतर बातचीत के परिणामस्वरूप समाप्त कर दिया गया था। रूसी सशस्त्र बलों में भारतीय नागरिकों की सेवा समाप्त होने के बाद, रूस स्थित भारतीय मिशन/केंद्रों ने उन्हें भारत लौटने में सहायता प्रदान की जिसमें यात्रा दस्तावेजों की सुविधा और आवश्यकतानुसार, हवाई टिकट प्रदान करना शामिल है।

उपलब्ध जानकारी के अनुसार, 18 भारतीय नागरिक अभी भी रूसी सशस्त्र बलों में सेवारत हैं, जिनमें से 16 व्यक्तियों के लापता होने की सूचना रूसी पक्ष द्वारा दी गई है। संबंधित रूसी प्राधिकारियों से ऐसे व्यक्तियों के बारे में अद्यतन जानकारी प्रदान करने और उनकी सुरक्षा, कल्याण सुनिश्चित करने तथा उन्हें शीघ्र कार्यमुक्त करने का आग्रह किया गया है। अगस्त 2024 में, रूसी पक्ष ने घोषणा की कि रूसी संघ के रक्षा मंत्रालय ने अप्रैल 2024 से अपने सशस्त्र बलों में भारतीय नागरिकों को भर्ती करना बंद कर दिया है।

*****